आजादी का अमृत महोत्सव रिर्पोट

5 व 6 अगस्त 2021 राश्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिषन परियोजना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डसीलाखेत व पोखरी के बनपंचायतों में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम श्रंखला के तहत हिमालियन ग्राम विकास समिति गंगोलीहाट के सहयोग से वन पंचायतों में पौघारोपण व चाराघास रोपण किया गया। वृक्षारोपण के पष्चात बैठक की गई बैठक में लोगों को अमृत महोत्सव के सम्बन्ध में जानकारी दी गई कि हमारे देष को आजाद हुए 75 वर्श हो गये हैं। इन वर्शो में हमारे देष ने जो उन्नति की गई इस विशय पर चर्चा की गई। लोगों के द्वारा यह संकल्प लिया कि आजादी को बरकरार रखने के लिए सभी को अपने अपने स्तर से देष की उन्नति में सहयोग अपने स्तर से करंगें। पॉचों ग्रामों में परियोजना के माध्यम से निर्मित प्लाटों में रोपित उन्नत चाराघास एवं चारापत्ती पेड़ पौघों का संरक्षण किया जायेगा। इन प्लाटों से घास व चारापत्ती का दोहन बैज्ञानिक तौर तरीके से करते हुए प्षुपालन को बढ़ावा दिया जायेगा। जिससे ग्राम में निवास करने वाले गरीब परिवारों की आजीविका में सुधार हो पायेगा। इसी तरह के उत्सवों का आयोजन प्रत्येक वर्श निर्मित प्लाटों में आयोजितकर चाराघास एवं पेड़ों का रोपण किया जायेगा। अन्य ग्रामों के लोगों को भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर अपने वनपंचायतों में जल, जंगल एवं जमीन संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोग जागरूक होगें। दोनों ग्रामों में 90 लोग उपस्थित हुए। महिलाओं के द्वारा लोकगीत व लोकनृत्यकर महोत्सव को मनाया।

24 हेक्टेयर भूमि में चारा प्लांटों का निर्माण

- डसीलाखेत में भारत अमृत महोत्सव का आयोजन
- चारा पौधों व औस नेपियर घास का रोपण

भारत अमृत महोत्सव के दौरान उपस्थित महिलाएं

गंगोलीहाट। विकासखंड गंगोलीहाट के गणाई गंगोली क्षेत्र के ग्राम पंचायत डसीलाखेत में हिमालयन ग्राम विकास समिति द्वारा राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन के अंतर्गत संचालित परियोजना के तहत भारत अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। परियोजना के तहत संस्था द्वारा ग्राम डसीलाखेत व पोखरी में 24 हेक्टेयर भूमि में चारा प्लाटों का निर्माण किया गया ताकि लोगों की चारे की समस्या का समाधान होने के साथ ही भूजल में वृद्धि हो सके। वहीं उक्त गांव के लोगों को समिति द्वारा प्रशिक्षित कर जहां उन्हें डेयरी व्यवसाय से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किये हैं। वही लोगों को जागरूक कर उन्हीं के माध्यम से जल, जंगल व जमीन को बचाने की मुहिम चलाई गई। जंगल में ही महोत्सव का आयोजन कर चौड़ी पत्ती वाले चारा पौधों व औस, नेपियर घास का रोपण किया गया। पिछले वर्ष रोपित पौधों की निराई व गुड़ाई की गई।

इस दौरान समिति के कुंदन सिंह बोरा ने लोगों से जंगल चारा प्लाटों की सुरक्षा करने की अपील की। इस दौरान प्रधान गीता देवी, सरपंच ईश्वरी लाल, रेखा देवी, विमला देवी, मुन्नी देवी सहित समूह से जुड़े 50 से अधिक लोग मौजूद रहे।